सेमेस्टर III व IV

AEC 2: व्यावहारिक हिंदी (हिंदी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
व्यावहारिक हिंदी	02	2	--	---	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी
- हिंदी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : व्यावहारिक हिंदी

- व्यावहारिक हिंदी के विविध रूप (सामान्य परिचय)
- बैंको में प्रयोग होने वाली हिंदी
- संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व
- बम्बईया हिंदी, कलकतिया हिंदी, हैदराबादी हिंदी

इकाई 2 : संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के विविध रूप

- सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी का प्रयोग (अस्पताल, बाज़ार, मॉल, मंडी)

- बैंकों में प्रचलित पारिभाषिक शब्दावली
- कार्यालयों में प्रचलित हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- बाज़ार / दर्शनीय स्थल / क्रिकेट मैच का अनुभव-लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
3. मानक हिंदी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
4. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश, राजपाल एंड संस, संस्करण 2003
5. प्रायोगिक हिंदी – (सं) रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन संस्करण 2013

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मू ांकन: 20 अंक